285 mm

210 mm

ACEPHATE 50% + IMIDACLOPRID 1.8% SP

INSECTICIDE

This insecticide used for the control of various sucking pest and bollworms in cotton.

CHEMICAL COMPOSITION :

Component	Content (% w/w)
Acephate active ingredient	: 50.00
Imidacloprid active ingredient	: 01.80
Surfactants -[Alkyl Naphthalene Sulfonate]	: 3.00
Inerts -[Precipited Silica]	: q.s.
Total	100.00

RECOMMENDATION FOR USE :

CROP	NAME OF THE PESTS	Dosage per Hectare			Waiting period from last spray to harvest (days)
		a.i. (g)	Formulation (g)	Dilution in water (l)	
COTTON	Aphid, Jassid, Thrips White fly, Bollworms	518	1000	500	40

TIME OF APPLICATION : First spray should be given immediately after noticing the appearance of insect pests. The successive sprays can be given at 7-10 days interval depending on pest pressure.

METHOD OF APPLICATION :

(a) **Preparation of spray mixture**
Take the required quantity of product, dilute with small quantity of water and stir well using a stick. Then, add the remaining quantity of water as per spray volume required and mix well again by stirring. For one hectare use 500 litre of water.

(b) **Plant protection equipments**
Use of high volume hand operated sprayer like knapsack sprayer or foot sprayer is recommended. Tractor mounted sprayer can also be used.

PHYTOTOXICITY : Acephate 50% + Imidacloprid 1.8% SP, is not phytotoxic to crops at recommended dosage.

PRECAUTIONS : Do not mix with bare hands. Use a wooden stick for stirring the spray solution. Do not eat, drink or smoke during application. Avoid contact with eyes and skin. Destroy empty containers after use.

SYMPTOMS OF POISONING : Headache, giddiness, nausea, vomiting, blurred vision, sweating, excessive lacrimation and salivation.

FIRST AID : Remove the patient to the fresh air. Wash contaminated skin with plenty of soap and water. If eyes are contaminated, wash with copious amount of water. If ingested victim should be induce to vomit by tickling the back of throat. In emergency take the patient to the nearest hospital.

ANTIDOTE : 1) Atropinize the patient immediately & maintain full atropinization using repeated doses of 2-4 mg at 5-10 minutes interval until fully atropinized. 2) Administer 1-2 g of 2-pyridine-2-aldoxime-N-methyl-iodine (2 PAM) to be dissolved in 10 cc of distilled water & inject intravenously (very slow) taking 10-15 minutes.

CONDITIONS TO BE SPECIFIED FOR STORAGE OF INSECTICIDES : 1) The packages containing insecticides shall be stored in separate rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticides. 2) The rooms or premises meant for storing insecticides shall be well-built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension.

DISPOSAL OF USED PACKAGES, SURPLUS MATERIALS AND WASHINGS OF INSECTICIDES : 1) It shall be the duty of the manufacturers, formulators of insecticides and operators to dispose packages or surplus materials and washings in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2) The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3) Packages shall be broken and buried away from habitation.

Caution: Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet. Do not spray during active bee foraging period of the day

एसिफेट 50% + इमिडाक्लोप्रिड 1.8% विलेय चूर्ण

कीटनाशक

इस कीटकनाशक का उपयोग कपास के रस चुसक कीटों और डोंडे की सुंडी के रोकथाम के लिए किया जाता हैं।

रासायनिक संघटन :

संरचना	प्रमाण (% भार/भार)
ऐसिफेट सक्रिय तत्व	: 50.00
इमिडाक्लोप्रिड सक्रिय तत्व	: 01.80
सरफैक्टंट - (अल्काईल नाफथालीन सल्फोनेट)	: 03.00
इनर्ट - (प्रेसिपिटेड सिलिका)	: पर्याप्त मात्रा
कुल	100.00

उपयोग के लिए निर्देश :

फसल	कीड़ों का साधारण नाम	मात्रा प्रति हेक्टर			अंतिम छिड़काव तथा कटाई में अन्तर (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्राम)	अविमश्रण (ग्राम)	पानी की मात्रा (लीटर)	
कपास	माहु, तेला, चुरदा, सफ़ेद मक्खी, डोंडे की सुंडी	518	1000	500	40

उपयोग : पहला छिड़काव कीडो के प्रकट होने पर तुरंत करें। तत्पश्चात कीड़ों के उपद्रव अनुसार सात से दस दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

प्रयोग के लिए निर्देश

1) **छिड़काव का घोल तैयार करना :**
दवा की आवश्यक मात्रा लें, उसमें थोडा पानी मिलाकर पतला करें और लकड़ी से अच्छी तरह मिला लें। अब छिड़काव घोल की आवश्यकता के अनुसार बाकी पानी मिलाकर अच्छी तरह हिलाते हुए घोल लें। एक हेक्टर में 500 लिटर पानी का उपयोग करें।

2) **पौध सुरक्षा उपकरण :**
हाथ से चलने वाले नैपसैक स्प्रेयर या फुट स्प्रेयर का उपयोग करें। ट्रैक्टर पर बिठाये हुए स्प्रेयर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

वनस्पति दुष्परिणाम : ऐसिफेट 50% + इमिडाक्लोप्रिड 1.8% विलेय चूर्ण, का सुजाव के अनुसार प्रयोग करने से फसल को कोई हानी नही पहुँचती है।

सावधानियाँ : दवा को खाली हाथो से न मिलायें। इसें लकड़ी की डंडी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पिना तथा धूम्रपान करना मना है। आँखो तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें। उपयोग के बाद खाली डिब्बो को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिरदर्द, चक्कर, मितली, उल्टी, धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मुँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते है।

प्रथमोपचार : रोगी को खुली हवा में लायें। दूषित त्वचा को साबुन और पानी द्वारा अच्छी तरह से धोंये। आँखों में चला गया हो तो आँखे स्वच्छ पानी से धोयें। विष निगल लिया हो तो रोगी को गले के अन्दर उँगली डालकर उल्टी करवाए। अगर जरूरत हो तो मरीज को अस्पताल ले जायें।

विष निवारण : 1) मरीज को तुरंत एट्रोपीन दे और हर 5-10 मिनट बाद 2-4 मि.ग्रा. की खुराक तब तक देते रहे, जब तक कि एट्रोपीन का पूरा असर न हो जाए। 2) 10 सी.सी डिस्टिल वाटर में 1-2 ग्रा. 2-पाइरीडीन-2-एल्डॉक्साइम-एन-मिथाइल-आयोडीन (2 पी.ए.एम.) मिलाकर 10-15 मिनिट में धीरे-धीरे इन्जेक्शन से नसों में दिजिए।

कीटनाशक भंडारण के लिए विशेष शर्तें : 1) निर्माता, संयोजनकारी एवं दवा का छिड़काव करने वालें व्यक्ति का कर्तव्य है कि वो कीटनाशक डिब्बों का भंडारण, अलग कमरा, या जगह, या ऐंसी जगह जहाँ अन्य वस्तु भंडारण न हो अथवा ताल बन्द अलमारियों में करें। कीटनाशक को खाद्य पदार्थ से दूर रखें। 2) कीटनाशक के भंडारण की जगह अच्छी तरह बनी हो, शीतल, शुष्क और हवादार हो तथा पर्याप्त लम्बी व चौड़ी हो, जैसे की वाष्प द्वारा प्रदूषण होने का डर न रहे।

उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों, बची हुई दवा और दूषित पानी का निवारण : 1) खाली डिब्बों, बची हुई दवा को ध्यानपूर्वक नष्ट करें, जिससे की वातावरण का स्त्रोत दूषित न हो। 2) कीटनाशक के उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों को पुन: उपयोग के लिए बाहर न छोड़ें। 3) खाली डिब्बों को नष्ट कर, आबादी से दूर जमीन में गाड दें।

सावधानी : इस लेबल/लीफलेट में दी गई फसलों के अलावा किसी भी अन्य फसल पर इसका उपयोग न करें। दिन में मधुमक्खियों के आहार लेने के घंटों में इस्तेमाल न करें

ॲसिफेट ५०% + इमिडाक्लोप्रिड १.८% एसपी

कीटकनाशक

हे एक कीटकनाशक आहे, जे कापसावरील वेगवेगळ्या शोषक आणि इतर मुख्य किड्यांच्या नियंत्रणासाठी उपयोगाला येते.

रासायनिक संयोजन :

घटक	प्रमाण (% व/व)
ॲसिफेट सक्रिय घटक	: ५०.००
इमिडाक्लोप्रिड सक्रिय घटक	: ०१.८०
सरफॅक्टन्टस (अल्काइल नॅफ्थालीन सल्फोनेट)	: ३.००
निष्क्रीय (प्रेसिपिटेड सिलिका)	: पुरेशा प्रमाणात
एकूण	१००.००

वापरासाठी शिफारस

पीक	कीटकांचे नाव	प्रमाण प्रति हेक्टरी			शेवटच्या फवारणी पासून कापणीपर्यंत प्रतिक्षा कालावधी (दिवस)
		स.घ. (ग्रॅ.)	फॉर्म्युलेशन (ग्रॅ.)	पाण्यामध्ये सौम्यीकरण (लि.)	
कापूस	मावा, तुडतुडे, फुलकिडे, पांढरी माशी, बोंडअळ्या	५१८	१०००	५००	४०

वापराचा काळ : कीटक दिसू लागताच पहिली फवारणी त्वरित केली पाहिजे. नंतरच्या फवारण्या कीटकांच्या प्रादुर्भावानुसार ७-१० दिवसांच्या अंतराने करता येतात.

वापराची पद्धत

(अ) **फवारणीचे मिश्रण तयार करणे**
उत्पादन आवश्यक तितक्या प्रमाणात घ्या, थोड्याशा पाण्यात घाला आणि काठीचा वापर करून चांगले ढवळा. नंतर फवारणीच्या आवश्यक प्रमाणानुसार बाकीचे पाणी घाला व ढवळीत पुन्हा चांगले मिसळा. एक हेक्टरसाठी ५०० लिटर पाणी वापरा.

(ब) **वनस्पती संरक्षण उपकरणे**
नॅपसॅक स्प्रेअर किंवा पायाने चालणाऱ्या स्प्रेअरसारख्या उच्च प्रतीच्या हाताने चालवण्याजोग्या स्प्रेअरचा वापर करा. ट्रॅक्टर माऊंटेड स्प्रेअरचाही वापर करू शकता.

रोपांना विषकारकता : शिफारस केलेल्या प्रमाणात ॲसिफेट ५०% + इमिडाक्लोप्रिड १.८% एसपी पीकांना विषकारक नाही.

सावधगिरी : मोकळ्या हातांनी मिसळू नका. फवारणीचे मिश्रण ढवळण्यासाठी लाकडी काठी वापरा. वापराच्या वेळी खाऊ, पिऊ किंवा धूम्रपान करू नका. डोळे व त्वचेला विष लागू देऊ नका. वापरानंतर डबे नष्ट करा.

विषबाधेची लक्षणे : डोकेदुखी, गरगरणे, मळमळ, उलट्या, अंधुक दृष्टी, घाम, डोळ्यातून जास्त पाणी येणे, आणि लाळ सुटणे.

प्रथमोपचार : रूग्णाला ताज्या हवेत न्या. लागण झालेली त्वचा भरपूर साबण व पाण्याने धुवा. डोळ्यांना लागल्यास भरपूर पाण्याने धुवा. गिळल्यास घशाच्या खाली गुदगुल्या करून उलटी करवा. तातडीच्या परिस्थितीमध्ये जवळच्या हॉस्पिटलमध्ये रूग्णाला न्या.

उतारा : १) रूग्णाला त्वरित ॲट्रोपिनाइझ करा आणि पूर्ण ॲट्रोपिनाइझ होईपर्यंत ५-१० मिनिटांच्या अंतराने २-४ मि.ग्रॅ. देत रहा. २) १-२ ग्रॅ. पायरिडाइन २ ॲल्डॉक्साइम-एन-मिथाइल-आयोडिन (२ पीएएम) १० सीसी डिस्टिल्ड पाण्यामध्ये विरघळवून शिरेतून (अगदी हळू) १०-१५ मिनिटात इंजेक्शनवाटे द्या.

कीटकनाशकांच्या साठवणीसाठीच्या विशिष्ट अटी : १. कीटकनाशके असणारे डबे स्वतंत्र खोल्या किंवा ठिकाणांमध्ये, कीटकनाशकाच्या प्रमाण व प्रकाराच्या अनुसार इतर गोष्टी ठेवावयाच्या खोल्या किंवा ठिकाणापासून दूर किंवा स्वतंत्र कपाटामध्ये कुलूपबंद करून ठेवले पाहिजेत. २. कीटकनाशके ठेवण्याची खोली किंवा ठिकाण चांगले बांधलेले, कोरडे, प्रकाशयुक्त आणि हवेशीर व पुरेसे मोठे असले पाहिजे.

वापरलेले डबे, जादा साहित्य व कीटकनाशकांच्या धुण्याची विल्हेवाट : १. कीटकनाशकांचे उत्पादक, फॉर्म्युलेटर्स आणि चालकांचे हे कर्तव्य राहील की डबे किंवा जादा साहित्य आणि धुण्याचे पाणी यांची विल्हेवाट सुरक्षितपणे पर्यावरण व जल प्रदूषण होणार नाही अशा प्रकारे केली जाईल. २.पुनर्वापर टाळण्यासाठी वापरलेले डबे बाहेर ठेवले जाणार नाहीत. ३. डबे मोडून वस्तीपासून दूर पुरण्यात येतील.

सावधगिरी : ह्या लेबल/माहिती पत्रिकेवर वर्णन केलेल्या पीकाव्यतिरिक्त अन्य पीकासाठी वापरू नये. माशांच्या क्रियाशील चरण्याच्या दिवसाच्या वेळेत फवारणी करू नये.

એસીફેટ ૫૦% + ઈમિડાક્લોપ્રિડ ૧.૮% એસપી

જંતુનાશક

આ એક જંતુનાશક છે જેનો ઉપયોગ કપાસને લાગનારી ચૂસિયાં જીવાત અને જીંડવાને લાગતી ઈયળોના નિયંત્રણ માટે કરવામાં આવે છે.

રાસાયણિક સંયોજન :

ઘટકો	માત્રા (% વ/વ)
એસીફેટ સક્રિય ઘટક	: ૫૦.૦૦
ઈમિડાક્લોપ્રિડ સક્રિય ઘટક	: ૦૧.૮૦
સરફેક્ટંટ્સ (અલ્કાઈલ નેપ્થાલીન સલ્ફોનેટ)	: ૩.૦૦
નિષ્ક્રિય તત્ત્વ (પ્રીસિપિટેડ સિલિકા)	: પ.મા.
કુલ	૧૦૦.૦૦

વપરાશ માટેની ભલામણો :

પાક	જીવાતનું નામ	હેક્ટર દીઠ માત્રા			છેલ્લા છંટકાવથી લણણી વચ્ચેનો અંતરાળ (દિવસ)
		સ.ઘ. (ગ્રા.)	દ્રાવણ (ગ્રા.)	પાણીમાં દ્રાવ્ય (લી.)	
કપાસ	મોલોમશી, લીલા ચૂસિયા, થ્રિપ્સ, સફેદ માખી, જીંડવાની ઈયળ	૫૧૮	૧૦૦૦	૫૦૦	૪૦

વપરાશનો સમય : પ્રથમ છંટકાવ જીવાતો દેખાય કે તરત જ કરવો જોઈએ. ત્યારબાદ જીવાતના ઉપદ્રવના આધારે ૭-૧૦ દિવસના અંતરે બીજો છંટકાવ કરી શકાય છે.

વપરાશની રીત :

(ક) **છાંટવાનું દ્રાવણ તૈયાર કરવાની રીત**
ઉત્પાદનની જોઈતી માત્રા લઈ થોડા પાણીમાં ઓગાળી લાકડીથી બરોબર હલાવો. ત્યારબાદ છાંટવા માટે જરૂરી દ્રાવણના પ્રમાણના આધારે પાણીની બાકીની માત્રા ઉમેરો અને ફરીથી હલાવી બરોબર ભેળવો. એક હેક્ટર માટે ૫૦૦ લીટર પાણી વાપરો.

(બી) **છંટકાવ માટેનાં ઉપકરણો**
હાઈ વૉલ્યુમ હસ્તચાલિત સ્પ્રેયર જેવું કે, નૅપસેક સ્પ્રેયર અથવા ફૂટ સ્પ્રેયરનો વપરાશ કરવાની ભલામણ છે. ટ્રેક્ટર પર લગાડેલું સ્પ્રેયર પણ વાપરી શકાય છે.

પાક પર ઝેરી અસર : એસીફેટ ૫૦% + ઈમિડાક્લોપ્રિડ ૧.૮% એસપી, ભલામણ કરાયેલી માત્રામાં પાક પર ઝેરી અસર નથી કરતા.

સાવચેતીઓ : ખુલ્લા હાથે ન ભેળવો. છાંટવાનું દ્રાવણ હલાવવા લાકડીનો ઉપયોગ કરો. વપરાશ કરતી વખતે ખાવું, પીવું કે ધૂમ્રપાન કરવું નહીં. આંખ અને ત્વચા સાથે સંપર્ક થતો ટાળો. વપરાશ કર્યા પછી ખાલી પાત્રોનો નાશ કરો.

ઝેર ચઢ્યાના લક્ષણો : માથું દુખવું, ચક્કર આવવા, ઉબકા, ઊલટી, આંખે ઝાંખપ, પરસેવો થવો, આંખમાંથી પુષ્કળ પાણી અને મોંમાંથી લાળ ઝરવી.

પ્રાથમિક સારવાર : દરદીને શુદ્ધ હવામાં લઈ જાઓ. દૂષિત ત્વચા સાબુ અને પુષ્કળ પાણીથી ધોઇ નાખો. જો આંખો દૂષિત થાય તો પુષ્કળ પાણી વાપરી સાફ કરો. જો ગળી જવાય તો દરદીને ગળામાં આંગળી નાખી ઊલટી કરાવવા પ્રયત્ન કરો. અત્યાવશ્યકતામાં દરદીને નજીકની હૉસ્પિટલમાં લઈ જાઓ.

વિષનાશક : ૧. દરદીને તરત જ એટ્રોપિનાઈઝ કરો અને પૂરેપૂરું એટ્રોપિનાઈઝેશન ન થાય ત્યાં સુધી ૫-૧૦ મિનિટના અંતરાળે ૨-૪ મિગ્રા. માત્રા વારંવાર આપી પૂર્ણ એટ્રોપિનાઈઝેશન જાળવી રાખો.
૨. ૧૦ સી.સી. ડિસ્ટિલ્ડ વૉટરમાં ૨-પાયરિડાઇન-૨-એલ્ડોક્ઝાઇમ એન મિથાઈલ-આયોડિન (૨ પીએએમ) ની ૧-૨ ગ્રામ માત્રા ઓગાળી નસ વાટે (ધીમે ધીમે) ૧૦-૧૫ મિનિટ લાગે તેમ આપો.

જંતુનાશકના સંગ્રહ માટેની નિર્દિષ્ટ શરતો : ૧. જંતુનાશક ધરાવતા પાત્રોને અન્ય પદાર્થો સંગ્રહ કરાતી ઓરડી કે જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડી કે જગ્યામાં અથવા જંતુનાશકની માત્રા અને પ્રકાર આધારે અલગ કબાટમાં તાળું-ચાવી મારીને સંગ્રહ કરવાં જોઈએ. ૨. જંતુનાશકના સંગ્રહ માટેની જગ્યા યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, સુક્કી, યોગ્ય હવા-ઉજાસ ધરાવતી અને પૂરતા વિસ્તારવાળી હોવી જોઈએ.

ખાલી પાત્રો, વધારાના દ્રાવણનો નિકાલ અને જંતુનાશકની સફાઈ : ૧. ખાલી પાત્રો કે વધારાના દ્રાવણનો નિકાલ તેમ જ સફાઈ જળ કે પર્યાવરણ પ્રદૂષિત ન થાય તેમ સુરક્ષિત રીતે કરવી એ જંતુનાશકના ઉત્પાદકો, સંયોજકો અને સંચાલકોની જવાબદારી છે. ૨. ખાલી પાત્રોનો ફરી ઉપયોગ થતો ટાળવા તેને બહાર રખડતાં ન રાખો. ૩. ખાલી પાત્રોને તોડીને વસતિવાળા વિસ્તારથી દૂર જમીનમાં દાટી દો.

સાવચેતી : આ લેબલ/પત્રિકામાં નિર્દિષ્ટ કરાયા સિવાયના પાકો પર ઉપયોગ માટે નથી. દિવસમાં મધમાખીઓ સક્રિય હોય તે સમયગાળામાં છંટકાવ નહીં કરશો.

অ্যাসেফেট ৫০% + ইমিডাক্লোপ্রিড ১.৮% এসপি

কীটনাশক

এটি একটি কীটনাশক যা তুলায় বিভিন্ন শোষক পোকা ও বিস্ফোটক পোকা নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহার করা হয়।

রাসায়নিক সংমিশ্রণ :

উপাদান	পরিমান (% ডব্লু/ডব্লু)
অ্যাসেফেট অ্যাক্টিভ উপাদান	: ৫০.০০
ইমিডাক্লোপ্রিড অ্যাক্টিভ উপাদান	: ০১.৮০
সার্ফাক্ট্যান্টস- [অ্যালকাইল ন্যাফথালিন সালফোনেট]	: ৩.০০
নিষ্ক্রিয় পদার্থসমূহ-[অধঃক্ষিপ্ত সিলিকা]	: পর্যাপ্ত মাত্রা
মোট	১০০.০০

ব্যবহার সম্পর্কিত পরামর্শ :

শস্য	ধ্বংসাত্মক কীটের নাম	হেক্টার প্রতি ওষুধের পরিমাপ			ওষুধ প্রয়োগের শেষ দিন থেকে ফসল কাটা পর্যন্ত অপেক্ষার কাল (দিন)
		এ.আই. (গ্রাম)	ফর্মুলেশন (গ্রাম)	জলে দ্রবণ করা (লি.)	
তুলা	জাবপোকা, শ্যামাপোকা, চোষী পোকা, সাদা মাছি পোকা, বিস্ফোটক পোকা	৫১৮	১০০০	৫০০	৪০

প্রয়োগের প্রকৃষ্ট সময় : প্রথমবারের ওষুধ ধ্বংসাত্মক কীটের আবির্ভাব নজরে আসা মাত্র স্প্রে করতে হবে। তারপর কীটের ক্ষতি করার গুরুত্বের ওপর নির্ভর করে ৭-১০ দিন অন্তর পরবর্তী ওষুধ স্প্রে করতে হবে।

প্রয়োগ রীতি :

(ক) **স্প্রে মিশ্রণ তৈরি**
নির্দেশমাফিক ওষুধের পরিমাণ নিন, তাতে অল্প একটু জল দিন এবং একটি কাঠি দিয়ে ভালোভাবে সেটা নেড়ে মিশিয়ে নিন। এরপর নির্দিষ্ট পরিমাণ জলের বাকি অংশটি তাতে মিশিয়ে আবার কাঠি দিয়ে নেড়ে গুলে নিন। প্রতি হেক্টারের জন্য ৫০০ লিটার জল ব্যবহার করুন।

(খ) **গাছ-গাছালিকে সুরক্ষা দেওয়ার সরঞ্জাম**
ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার বা ফুট স্প্রেয়ারের মতো উচ্চ ভলিউম যুক্ত হস্তচালিত স্প্রেয়ার ব্যবহারের পরামর্শ দেওয়া হয়ে থাকে। ট্রাকটারের ওপর বসানো স্প্রেয়ারও ব্যবহার করা যেতে পারে।

ফাইটোটক্সিসিটি (উদ্ভিদের ওপর বিষক্রিয়া) : নির্দেশমাফিক ওষুধের পরিমাণ ব্যবহার করলে অ্যাসেফেট ৫০% + ইমিডাক্লোপ্রিড ১.৮% এসপি শস্যের ওপর বিষক্রিয়া ঘটায় না।

সতর্কতা : খালি হাত দিয়ে ওষুধ মেশাবেন না। স্প্রে মিশ্রণটি নাড়ানোর জন্য একটি কাঠি ব্যবহার করুন। ওষুধ প্রয়োগকালে কিছু খাবেন না, পান করবেন না, এমনকি ধূমপানও করবেন না। চোখে বা ত্বকে যেন স্পর্শ না লাগে। ব্যবহারের পর ওষুধের পাত্রগুলি নষ্ট করে ফেলুন।

বিষক্রিয়ার লক্ষণ : মাথাধরা, মাথা ঘোরা, গা গোলানো, বমি, চোখে ঝাপ্‌সা দেখা, ঘাম হওয়া, চোখ থেকে অত্যধিক পরিমাণে জল পড়া এবং লালা ঝরা।

প্রাথমিক চিকিৎসা : রোগীকে খোলা বাতাসের নীচে নিয়ে আসুন। বিষাক্ত স্থানটি প্রচুর পরিমাণে সাবান ও জল দিয়ে ভালোভাবে ধুয়ে দিন। চোখে বিষক্রিয়া ঘটলে বেশি করে বারবার চোখে জলের ঝাপ্‌টা দিন। যদি পেটে বিষ গিয়ে থাকে, তবে রোগীর গলায় আঙুল দিয়ে তাকে বমি করাতে হবে। অবস্থা গুরুতর বুঝলে রোগীকে কাছের কোনও হাসপাতালে নিয়ে যাবেন।

প্রতিষেধক : ১)রোগীকে সঙ্গেসঙ্গে অ্যাট্রোপিন দিন এবং ২-৪ মি.গ্রা. অ্যাট্রোপিন প্রতি ৫-১০ মিনিট অন্তর বারবার দিয়ে চলুন যাতে অ্যাট্রোপিনের ক্রিয়া পূর্ণরূপে হয় এবং সেটা বজায় থাকে। ২) ১-২ গ্রাম ২-পাইরিডিন-২-অ্যালডক্সাইম-এন-মিথাইল-আয়োডিন (২ পিএএম) ১০ সিসি পরিশ্রুত জলে গুলে শিরামধ্যে ইঞ্জেকশনের মাধ্যমে ১০-১৫ মিনিট ধরে (অতি ধীরে ধীরে) প্রয়োগ করতে হবে।

কীটনাশক মজুত করার নির্দেশিত পরিস্থিতি : ১) কীটনাশকের বাক্স বা পাত্রগুলি কীটনাশকের পরিমাণ এবং প্রকৃতি অনুসারে অন্যান্য জিনিসপত্র মজুত করার ঘর বা স্থান থেকে দূরে অবস্থিত কোনও ঘর বা স্থানে রাখতে হবে অথবা আলাদা আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে। ২) কীটনাশক মজুত করার ঘর বা স্থান হতে হবে সুগঠিত, শুকনো, আলোকিত, হাওয়া - বাতাসযুক্ত এবং আয়তনে বড়।

ব্যবহৃত প্যাকেজ, বাড়তি সরঞ্জাম এবং কীটনাশক ধোয়ানো জল বিনষ্টীকরণ : ১.ওষুধের প্যাকেজ বা বাড়তি সরঞ্জামের বিনষ্টীকরণ এবং ওষুধ ধোয়া জলকে নিরাপদ ভাবে পরিত্যাগ করার দায়িত্ব প্রস্তুতকারক, কীটনাশকের ফর্মুলেটর এবং ব্যবহারকারীরা নেবেন যাতে এগুলির দরুন পরিবেশ এবং জল দূষিত না হয়। ২) ব্যবহার করা প্যাকেজের পুনরায় ব্যবহার রোধ করতে প্যাকেজগুলি বাইরে যত্রতত্র ফেলে রাখা বন্ধ করতে হবে। ৩) প্যাকেজগুলি ভেঙে ফেলে লোকালয় থেকে দূরে কোথাও মাটিতে পুঁতে দিতে হবে।

সতর্কতা : এই লেবেল অথবা লিফলেটে বিশেষ করে উল্লেখিত ফসল ব্যতীত অন্য কোনো ফসলের ওপর ব্যবহার বাঞ্ছনীয় নয়। দিনে মৌমাছি খাদ্য সংগ্রহের সময় স্প্রে করবেন না

AgroStar®

ACETATE GOLD

ACEPHATE 50% + IMIDACLOPRID 1.8% SP

Insecticide

READ ENCLOSED LEAFLET BEFORE USE

Warranty : Since the use of the product is beyond our control, we can not assume any responsibility other than for the uniform quality of the product.

MARKETED BY : ULink AgriTech Pvt. Ltd
Reg office: 106 (B&C), 6th Floor, E-Space IT Park, A1 Building, 46/1 Nagar Road, Pune Maharashtra - 411014

MANUFACTURED BY : UPL SUSTAINABLE AGRI SOLUTIONS LIMITED, UNIPHOS HOUSE, C. D. MARG, 11TH ROAD, KHAR (WEST), MUMBAI- 400 052

विपणनकर्ता :- यूलिंक एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: 106 (बी और सी), छठी मंजिल, ई-स्पेस आईटी पार्क, ए 1 बिल्डिंग, 46/1 नगर रोड, पुणे महाराष्ट्र - 411014

निर्माता : यूपीएल सस्टेनेबल ॲग्री सोल्युशन्स लिमिटेड, युनिफोस हाऊस, सी. डी. मार्ग, ११ वा रोड, खार (प), मुंबई–४०० ०५२

Visit your nearest AgroStar Laal Dukaan | Scan to download the AgroStar app | For customer feedback contact us: info@agrostar.in 9503095030 or customer service team at the above address

285 mm

210 mm

ଏସିଫେଟ୍ ୫୦% + ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ୧.୮ ଏସ୍‌ପି

କୀଟନାଶକ

ଏହି ଅନ୍ତର୍ଭେଦୀ କୀଟନାଶକ କୁ ପତ୍ରସିଞ୍ଚନ ରୂପେ କପା ଫସଲର ହାନୀକାରକ କୀଟପୋକ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଶୋଷକ ପୋକ ବିରୁଦ୍ଧରେ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ ।

ରାସାୟନିକ ସଂଗଠନା :

ଉପାଦାନ		ମାତ୍ରା (% ଓଜନ/ଓଜନ)
ଏସିଫେଟ୍ ସକ୍ରିୟ ଉପାଦାନ	:	୫୦.୦୦
ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ସକ୍ରିୟ ଉପାଦାନ	:	୦୧.୮୦
ସର୍ଫାକ୍ଟାଣ୍ଟସବୁ - (ଅଲ୍‌କାଇଲ୍ ନାପ୍‌ଥାଲିନ୍ ସଲ୍‌ଫୋନେଟ୍)	:	୦୩.୦୦
ନିଷ୍କ୍ରିୟ - (ପ୍ରେସିପିଟେଟେଡ୍ ସିଲିକା)	:	ଶତାଂଶ'ର ବାକି ମାତ୍ରା
ମୋଟ		୧୦୦.୦୦

ବ୍ୟବହାର ସୁପାରିଶ :

ଫସଲ	ପୋକ ନାମ	ହେକ୍ଟର ପିଛା ମାତ୍ରା			ଶେଷ ସିଞ୍ଚନ ପରଠୁ ଅମଳ ମଧ୍ୟରେ ଅପେକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନ)
		ସ.ଉ. (ଗ୍ରା.)	ଫର୍ମୁଲେଶନ୍ (ଗ୍ରା.)	ମିଶାଇବା ପାଣି (ଲି.)	
କପା	ଜଉଆ, ହଳଦିଗୁଣ୍ଡି, ଉକୁଣି, ଧଳାମାଛି, କପାବକରା ପୋକ	୫୧୮	୧୦୦୦	୫୦୦	୪୦

ପ୍ରୟୋଗ ସମୟ : କୀଟପୋକ ଦେଖାଦେବା ମାତ୍ରେ ପ୍ରଥମ ସିଞ୍ଚନ କରାଯିବା ଉଚିତ । ପରବର୍ତ୍ତୀ ସିଞ୍ଚନ ପୋକ ପ୍ରାଦୁର୍ଭାବ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ୭-୧୦ ଦିନ ଅନ୍ତରରେ କରାଯାଇ ପାରେ ।

ପ୍ରୟୋଗ ବିଧି :

ଅ) ସିଞ୍ଚନ ମିଶ୍ରଣ ପ୍ରସ୍ତୁତି

ଆବଶ୍ୟକ ମାତ୍ରାର ରସାୟନକୁ ପ୍ରଥମେ ଅଳ୍ପ ପାଣି ମିଶାଇ ଖଣ୍ଡେ କାଠିରେ ଗୋଳାନ୍ତୁ । ତାପରେ ସିଞ୍ଚନ ଦ୍ରବଣ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକ ମାତ୍ରାର ବାକି ପାଣି ମିଶାଇ ପୁଣି ଭଲକରି ଗୋଳାନ୍ତୁ । ଏକ ହେକ୍ଟର ପାଇଁ ୫୦୦ ଲିଟର ପାଣି ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ।

ଆ) ନାପ୍‌ସାକ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର

ଫୁଟ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର ପରି ହାଇ ଭଲ୍ୟୁମ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇ ପାରେ । ଟ୍ରାକ୍ଟର ରେ ବସାଯାଇଥିବା ସ୍ପ୍ରେୟର ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇ ପାରେ ।

ପାଦପ ବିଷାକ୍ତତା : ଏସିଫେଟ୍ ୫୦% + ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ ୧.୮% ଏସ୍‌ପି, ସୁପାରିଶକୃତ ମାତ୍ରାରେ ବ୍ୟବହାର କଲେ ଗଛ ପାଇଁ ବିଷାକ୍ତ ନୁହେଁ ।

ସତର୍କତା : ଖାଲି ହାତରେ ଗୋଳାନ୍ତୁ ନାହିଁ । ମିଶାଇବା ବେଳେ ଖଣ୍ଡେ କାଠିରେ ସିଞ୍ଚନ ଦ୍ରବଣ ଗୋଳାନ୍ତୁ । ବ୍ୟବହାର କଲାବେଳେ ଖାନ-ପାନ, ଧୂମପାନ ନିଷିଦ୍ଧ । ଆଖିରେ ଲାଗିବା କି ଦେହରେ ଲାଗିବା ଏଡ଼ାନ୍ତୁ । ବ୍ୟବହାର କରିସାରିବା ପରେ ଖାଲି ପାତ୍ରକୁ ନଷ୍ଟ କରିଦିଅନ୍ତୁ ।

ବିଷାକ୍ତତାର ଲକ୍ଷଣ : ମୁଣ୍ଡବିନ୍ଧା, ମୁଣ୍ଡଘୂରା, ଅଣ୍ଡ ଉଠିବା, ବାନ୍ତି, ଝାପ୍‌ସା ଦୃଷ୍ଟି, ଝାଳେଇବା, ଅତ୍ୟଧିକ ଲୁହ ଗଡ଼ିବା ଓ ଲାଳ ଗଡ଼ିବା ।

ପ୍ରାଥମିକ ଉପଚାର : ରୋଗୀଙ୍କୁ ଖୋଲା ପବନକୁ ନେଇଯାଆନ୍ତୁ । ସଂକ୍ରମିତ ଅଙ୍ଗପ୍ରତ୍ୟଙ୍ଗକୁ ସାବୁନରେ ସଫାକରି ପ୍ରଚୁର ପାଣିରେ ଧୁଅନ୍ତୁ । ଆଖି ସଂକ୍ରମିତ ହୋଇଗଲେ, ତୁରନ୍ତ ପ୍ରଚୁର ସଫା ପାଣିରେ ଆଖି ଧୁଅନ୍ତୁ । ପେଟକୁ ଯାଇଥିଲେ, ତଣ୍ଟି ସାଉଁଳେଇ ରୋଗୀଙ୍କୁ ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁ । ସଙ୍କଟକାଳୀନ ସ୍ଥିତିରେ, ରୋଗୀଙ୍କୁ ପାଖ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ନେଇଯାଆନ୍ତୁ ।

ବିଷଘ୍ନ : ୧) ତୁରନ୍ତ ରୋଗୀଙ୍କୁ ଆଟ୍ରୋପିନାଇଜ୍ କରନ୍ତୁ ଆଉ ଶରୀରରେ ପୂରା ଆଟ୍ରୋପିନାଇଜେଶନ୍ ଅବସ୍ଥା ଆସିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରତି ୫-୧୦ ମିନିଟ ଅନ୍ତରରେ ୨-୪ ମି.ଗ୍ରା. ମାତ୍ରାରେ ଏହାକୁ ଦୋହରାଇ ଆଟ୍ରୋପିନାଇଜେଶନ୍ ଅବସ୍ଥା ବଜାୟ ରଖନ୍ତୁ । ୨) ୧୦ ସିସି ଡିଷ୍ଟିଲ୍ଡ ୱାଟର୍‌ରେ ୧-୨ ଗ୍ରାମ୍ ୨-ପାଇରାଇଡିନ୍-୨-ଆଲ୍‌ଡୋକ୍ସାଇମ୍ -ଏନ୍-ମିଥାଇଲ୍-ଆୟୋଡିନ୍ (୨-ପିଏଏମ୍) ଗୋଳାଇ ଶିରାରେ ଅତି ଆସ୍ତେ ଆସ୍ତେ, ମାନେ ୧୦-୧୫ ମିନିଟ ସମୟ ଲଗାଇ ଇଞ୍ଜେକ୍ଟ କରନ୍ତୁ ।

କୀଟନାଶକ ମହଜୁଦ କରିବାର ଧାର୍ଯ୍ୟ ଅବସ୍ଥା : ୧) କୀଟନାଶକ ଥିବା ପ୍ୟାକେଜ୍‌କୁ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପଦାର୍ଥ ଠାରୁ ଅଲଗା ଏକ କୋଠରୀ ବା ସ୍ଥାନରେ ମହଜୁଦ କରିବା ଦରକାର, ବା ସେହି ପଦାର୍ଥର ଗୁଣ ଓ ପରିମାଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ତାକୁ ଏକ ଖାଲି ଆଲମାରୀରେ ତାଲା ପକାଇ ରଖିବା ଦରକାର । ୨) କୀଟନାଶକ ମହଜୁଦ କରାଯିବା କୋଠରୀ ବା ସ୍ଥାନଟି ମଜବୁତ, ଶୁଖିଲା, ଆଲୋକିତ ଆଉ ବାୟବୀୟ ହେବା ସାଙ୍ଗକୁ ପ୍ରଶସ୍ତ ମଧ୍ୟ ହୋଇଥିବା ଦରକାର ।

ରିକ୍ତ ପାତ୍ର, ବଳକା ଦ୍ରବ୍ୟ ଓ କୀଟନାଶକ ଧୁଆଧୁଇ ପାଣି ବିଧ୍ୱଂସିକରଣ : ୧) ପ୍ୟାକେଜ୍, ବଳକା ଦ୍ରବ୍ୟ ଓ ଧୁଆଧୁଇ ପାଣିକୁ ନିରାପଦ ଭାବେ ନଷ୍ଟ କରିବାର ଦାୟିତ୍ୱ ହେଉଛି କୀଟନାଶକ'ର ଉତ୍ପାଦକ, ଫର୍ମୁଲେଟର୍ ଆଉ ଅପରେଟର୍‌ଙ୍କର, ଯେପରି ପାଣି କି ପର୍ଯ୍ୟାବରଣ ପ୍ରଦୂଷିତ ହେବ ନାହିଁ । ୨) ରିକ୍ତ ପାତ୍ରକୁ କେହି ଭୁଲରେ ଅନ୍ୟ କାମରେ ବ୍ୟବହାର ନକରିବା ଲାଗି, ତାକୁ ବାହାରେ ଛାଡ଼ନ୍ତୁ ନାହିଁ । ୩) ପ୍ୟାକେଜ୍‌କୁ ଭାଙ୍ଗିଭୁଙ୍ଗି ଲୋକବସ୍ତି ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତିଦେବା ଦରକାର ।

ସତର୍କତା: ଏହି ଲେବଲ୍/ପତ୍ରିକାରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଫସଲ ବ୍ୟତିତ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଫସଲରେ ବ୍ୟବହାର କରିପାରିବେ ନାହିଁ । ଦିନରେ ଖାଦ୍ୟ ସଂଗ୍ରହ ପାଇଁ ମହୁମାଛି ସକ୍ରିୟ ଥିବା ବେଳେ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।

ਐਸੀਫੇਟ 50% + ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 1.8 ਐੱਸਪੀ

ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ

ਇਸ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਪਾਹ ਦੇ ਕਈ ਰਸ ਚੂਸਣ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਹੋਰ ਅਹਿਮ ਕੀੜੇ-ਮਕੌੜਿਆਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਲਈ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਰਸਾਇਣਕ ਰਚਨਾ :

ਤੱਤ		ਤੱਤ (% ਵ/ਵ)
ਐਸੀਫੇਟ ਕ੍ਰਿਆਸ਼ੀਲ ਤੱਤ	:	50.00
ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ ਕ੍ਰਿਆਸ਼ੀਲ ਤੱਤ	:	01.80
ਸਰਫੈਕਟੈਂਟਸ - [ਅਲਕਾਈਲ ਨੈਪਥਾਲੀਨ ਸਲਫੋਨੇਟ]	:	3.00
ਨਿਸ਼ਕ੍ਰਿਆ ਪਦਾਰਥ - [ਪ੍ਰਿਸਿਪੀਟੇਡ ਸਿਲੀਕਾ]	:	ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ
ਕੁੱਲ		100.00

ਵਰਤਣ ਲਈ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ :

ਫ਼ਸਲ	ਕੀੜਿਆਂ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ			ਆਖ਼ਰੀ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਵਾਢੀ ਵਿਚਕਾਰ ਸਮਾਂ (ਦਿਨ)
		ਕ੍ਰਿ.ਤੱ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਨੁਸਖ਼ਾ (ਗ੍ਰਾ.)	ਘੋਲ ਲਈ ਪਾਣੀ (ਲੀ.)	
ਕਪਾਹ	ਤੇਲਾ, ਚੇਪਾ, ਥ੍ਰਿਪ ਜੂੰ, ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ, ਟੀਂਡੇ ਦੀਆਂ ਸੁੰਡੀਆਂ	518	1000	500	40

ਵਰਤਣ ਦਾ ਸਮਾਂ : ਪਹਿਲਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀੜੇ-ਮਕੌੜੇ ਨਜ਼ਰ ਆਉਣ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਮਗਰੋਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਗਲੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀੜਿਆਂ ਦੇ ਹਮਲੇ ਅਨੁਸਾਰ 7-10 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਵਕਫ਼ਿਆਂ 'ਤੇ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।

ਵਰਤਣ ਦਾ ਢੰਗ :

(ੳ) ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਘੋਲ ਦੀ ਤਿਆਰੀ

ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਲਓ । ਇਸ ਨੂੰ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਪਾਣੀ ਪਾ ਕੇ ਪਤਲਾ ਕਰ ਲਓ ਅਤੇ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਓ । ਫਿਰ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਘੋਲ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਨੁਸਾਰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਾਕੀ ਮਾਤਰਾ ਪਾ ਲਓ । ਅਤੇ ਫਿਰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾ ਲਓ । ਇਕ ਹੈਕਟੇਅਰ ਲਈ 500 ਲੀਟਰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ ।

(ਅ) ਪੌਦ ਸੁਰੱਖਿਆ ਔਜ਼ਾਰ

ਉੱਚ ਮਾਤਰਾ ਵਾਲੇ ਹੱਥ ਨਾਲ ਚੱਲਣ ਵਾਲੇ ਪੰਪ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪਿੱਠੂ ਪੰਪ ਜਾਂ ਪੈਰਾਂ ਵਾਲਾ ਪੰਪ ਵਰਤਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਟਰੈਕਟਰ ਉੱਤੇ ਰੱਖ ਕੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲਾ ਪੰਪ ਵੀ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਫ਼ਸਲ ਉੱਤੇ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਅਸਰ : ਐਸੀਫੇਟ 50% + ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 1.8% ਐੱਸਪੀ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਮਾਤਰਾ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਜ਼ਹਿਰੀਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਰਲਾਓ । ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਹਿਲਾਉਣ ਲਈ ਲਕੜ ਦੇ ਡੰਡੇ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ । ਵਰਤਣ ਵੇਲੇ ਨਾ ਖਾਓ, ਨਾ ਪੀਓ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਤਮਾਖੂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ । ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਚਮੜੀ ਉੱਤੇ ਪੈਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉ ਕਰੋ । ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਖਾਲੀ ਡੱਬੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ ।

ਜ਼ਹਿਰ ਚੜ੍ਹਨ ਦੇ ਲੱਛਣ : ਸਿਰਪੀੜ, ਚੱਕਰ ਆਉਣੇ, ਜੀਅ ਕੱਚਾ ਹੋਣਾ, ਉਲਟੀ ਆਉਣੀ, ਨਜ਼ਰ ਦਾ ਧੁੰਦਲਾਪਣ, ਤਰੇਲੀਆਂ ਆਉਣੀਆਂ, ਹੱਦੋਂ ਵੱਧ ਹੰਝੂ ਵਗਣੇ ਅਤੇ ਲਾਰਾਂ ਡਿੱਗਣੀਆਂ ।

ਮੁਢਲੀ ਸਹਾਇਤਾ : ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਸੱਜਰੀ ਹਵਾ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਓ । ਦੂਸ਼ਿਤ ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਲਗਾ ਕੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਦਿਓ । ਜੇ ਅੱਖਾਂ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਅੱਖਾਂ ਧੋ ਲਓ । ਜੇ ਨਿਗਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮਰੀਜ਼ ਦੇ ਸੰਘ ਵਿਚ ਉਂਗਲੀ ਪਾ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਓ । ਸੰਕਟਕਾਲ ਵਿਚ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਨੇੜੇ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਲੈ ਜਾਓ ।

ਜ਼ਹਿਰ ਦਾ ਤੋੜ : 1. ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਐਟਰੋਪਾਈਨ ਦਿਓ ਅਤੇ ਐਟਰੋਪਾਈਨ ਦਾ ਅਸਰ ਕਾਇਮ ਰੱਖੋ, ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਐਟਰੋਪਾਈਨ ਦਾ ਅਸਰ ਪੂਰਾ ਹੋਣ ਤਕ 5-10 ਮਿੰਟਾਂ ਦੇ ਵਕਫ਼ੇ ਤੇ 2-4 ਮਿ.ਗ੍ਰਾ. ਦੀ ਖ਼ੁਰਾਕ ਵਾਰ ਵਾਰ ਦਿੰਦੇ ਰਹੋ । 2. 10 ਸੀ.ਸੀ. ਡਿਸਟਿਲਡ ਵਾਟਰ ਵਿਚ 1-2 ਗ੍ਰਾ. 2 ਪਾਇਰੀਡਾਈਨ 2 ਐਲਡੋਕਜ਼ਾਈਮ-ਐਨ - ਮੇਥਾਈਲ-ਆਇਓਡੀਨ (2 ਪੀਏਐਮ) ਘੋਲ ਕੇ ਇਸ ਦਾ ਟੀਕਾ ਨਾੜ ਵਿਚ 10-15 ਮਿੰਟ ਲਗਾ ਕੇ (ਹੌਲੀ ਹੌਲੀ) ਲਗਾਓ ।

ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਸਾਂਭ-ਸੰਭਾਲ ਲਈ ਹਾਲਤਾਂ : 1. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਵਾਲੇ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਅਹਾਤਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਅਹਾਤਿਆਂ ਵਿਚ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਫਿਰ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਕਿਸਮ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖਰੀਆਂ ਅਲਮਾਰੀਆਂ ਵਿਚ ਜਿੰਦਰਾ ਲਗਾ ਕੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । 2. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਣੇ ਹੋਣੇ, ਸੁੱਕੇ, ਰੌਸ਼ਨ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਕਾਫ਼ੀ ਖੁੱਲ੍ਹੇ-ਡੁੱਲ੍ਹੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

ਵਰਤੇ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ, ਵਾਧੂ ਬਚੇ ਪਦਾਰਥਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਧੋਣ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ : 1. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਉਤਪਾਦਕਾਂ, ਨੁਸਖ਼ਾਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਡੱਬਿਆਂ, ਵਾਧੂ ਬਚੇ ਪਦਾਰਥਾਂ ਅਤੇ ਧੋਣ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਸ਼ਟ ਕਰਨ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਨ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉ ਹੋ ਸਕੇ । 2. ਵਰਤੇ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ ਦੀ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਛੱਡਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । 3. ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਭੰਨ੍ਹ-ਤੋੜ ਕੇ ਵਸੋਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੱਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਸੂਚਨਾ : ਇਸ ਲੇਬਲ/ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਨਿਰਧਾਰਤ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਨਾ ਵਰਤੋ । ਮਧੂਮੱਖੀਆਂ ਦੇ ਕ੍ਰੀਆਸ਼ੀਲ ਹੋਣ ਦੇ ਦਿਨ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਛਿੜਕਾਅ ਨਾ ਕਰੋ ।

ಅಸಿಫೇಟ್ 50% + ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 1.8 ಎಸ್.ಪಿ

ಕೀಟನಾಶಕ

ಈ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಹತ್ತಿ ಬೆಳೆಗೆ ತಗಲುವ ವಿಭಿನ್ನ, ರಸಹೀರುವ ಹಾಗೂ ಇನ್ನಿತರ ಕಾಯಿಕೊರಕಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂರಚನೆ :

ಘಟಕ		ಅಂಶ (% ಭಾ/ಭಾ)
ಅಸಿಫೇಟ್ ಸಕ್ರಿಯ ಘಟಕ	:	50.00
ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ ಸಕ್ರಿಯ ಘಟಕ	:	01.80
ಸರ್ಫೆಕ್ಟೆಂಟ್ಸ್-(ಅಲ್ಕೈಲ್ ನ್ಯಾಫ್ತಲೀನ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್)	:	3.00
ಜಡಪದಾರ್ಥ(ಪ್ರೆಸಿಪಿಟೆಡ್ ಸಿಲಿಕಾ)	:	ಅಗತ್ಯವಿರುವಷ್ಟು
ಒಟ್ಟು		100.00

ಬಳಕೆ ಸಂಬಂಧಿತ ಶಿಫಾರಸು :

ಬೆಳೆ	ಕೀಟಗಳ ಹೆಸರು	ಪ್ರತೀ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಪ್ರಮಾಣ			ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪರಣೆ ಮತ್ತು ಕೊಯ್ಲಿನ ನಡುವೆ ಕಾಯಬೇಕಾದ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳು)
		ಸ.ಘ. (ಗ್ರಾಂ)	ಫಾರ್ಮುಲೇಶನ್ (ಗ್ರಾಂ)	ಬೆರೆಸಬೇಕಾದ ನೀರು (ಲೀ.)	
ಹತ್ತಿ	ಗಿಡಹೇನು, ಜಿಗಿಹುಳ, ಥ್ರಿಪ್ಸ್, ಬಿಳಿನೊಣ, ಕಾಯಿಕೊರಕ	518	1000	500	40

ಪ್ರಯೋಗದ ಸಮಯ :

ಕೀಟಗಳ ಹಾವಳಿ ಮೊತ್ತಮೊದಲು ಕಂಡುಬಂದ ಕೂಡಲೇ ಮೊದಲ ಸಿಂಪಡಿಕೆ ನಡೆಸಬೇಕು. ಕೀಟಗಳ ಹಾವಳಿಯ ತೀವ್ರತೆಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ, 7-10 ದಿನಗಳ ಅಂತರಗಳಲ್ಲಿ ತದನಂತರ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳನ್ನು ನಡೆಸಬೇಕು.

ಪ್ರಯೋಗಿಸುವ ವಿಧಾನ :

ಎ) **ಸ್ಪ್ರೇ ಮಿಶ್ರಣ ತಯಾರಿಸುವ ವಿಧಾನ :** ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಡಕ್ಟನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು, ಅದಕ್ಕೆ ಸ್ವಲ್ಪ ನೀರು ಸೇರಿಸಿ ಕೋಲಿನಿಂದ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಲಿಸಬೇಕು. ತದನಂತರ, ಸ್ಪ್ರೇ ಪ್ರಮಾಣಕ್ಕೆ ಬೇಕಾಗಿರುವ ನೀರನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಮತ್ತೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಲಿಸಿ ಮಿಶ್ರ ಮಾಡಬೇಕು. ಒಂದು ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ 500 ಲೀಟರ್ ನೀರು ಬಳಸಿರಿ.

ಬಿ) **ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಉಪಕರಣಗಳು:** ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಅಥವಾ ಫುಟ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಂತಹ ಕೈಯಿಂದ ನಡೆಸುವ ಹೈ ವಾಲ್ಯೂಮ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನ್ನು ಬಳಸುವಂತೆ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಟ್ರಾಕ್ಟರ್ ಮೌಂಟೆಡ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರನ್ನು ಕೂಡ ಬಳಸಬಹುದಾಗಿದೆ.

ಸಸ್ಯ-ವಿಷಕಾರತ್ವ : ಅಸಿಫೇಟ್ 50% + ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 1.8% ಎಸ್‌ಪಿ ಇದು ಶಿಫಾರಿತ ಡೋಸೇಜ್‌ಗಳಲ್ಲಿ ಸಸ್ಯ-ವಿಷಕಾರಕವಾಗಿಲ್ಲ.

ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು : ಬರಿಗೈಗಳಿಂದ ಬೆರೆಸಬೇಡಿ. ಸ್ಪ್ರೇ ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು ಬೆರೆಸಲು ಮರದ ಕೋಲನ್ನು ಬಳಸಿರಿ. ಸಿಂಪಡಿಸುವಾಗ, ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಬೇಡಿ, ಕುಡಿಯಬೇಡಿ ಅಥವಾ ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡಬೇಡಿ. ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ತಗಲದಂತೆ ಎಚ್ಚರವಹಿಸಿ. ಬಳಸಿದ ನಂತರ ಖಾಲಿ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಿ.

ವಿಷಬಾಧೆಯ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ತಲೆನೋವು, ತಲೆಸುತ್ತು, ಹೊಟ್ಟೆತೊಳಸುವಿಕೆ, ವಾಂತಿ, ದೃಷ್ಟಿ ಮಂಜಾಗುವಿಕೆ, ಬೆವರುವಿಕೆ, ಕಣ್ಣಿನಿಂದ ಅತಿಯಾಗಿ ನೀರು ಸುರಿಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಅತಿಯಾಗಿ ಜೊಲ್ಲು ಸುರಿಯುವಿಕೆ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ: ಬಾಧಿತರನ್ನು ಶುದ್ಧಹವೆಯಲ್ಲಿ ಮಲಗಿಸಿ. ದೂಷಿತ ತ್ವಚೆಯನ್ನು ಯಥೇಚ್ಛ ಸಾಬೂನು ಹಾಗೂ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ತಗಲಿದ್ದಲ್ಲಿ ಧಾರಾಳ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳಿರಿ. ವಿಷ ದೇಹದೊಳಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ್ದಲ್ಲಿ, ಗಂಟಲಲ್ಲಿ ಬೆರಳು ತೂರಿಸುವ ಮೂಲಕ ಬಾಧಿತರಿಗೆ ವಾಂತಿಬರಿಸಿರಿ. ತುರ್ತುಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ, ಬಾಧಿತರನ್ನು ಸಮೀಪದ ಆಸ್ಪತ್ರೆಗೆ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ: 1. ಬಾಧಿತರಿಗೆ ಕೂಡಲೇ ಅಟ್ರೋಪಿನ್ ನೀಡಿರಿ. ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಅಟ್ರೋಪಿನೈಜ್ಡ್ ಆಗುವವರೆಗೆ, ಪ್ರತೀ 5-10 ನಿಮಿಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ 2-4 ಮಿ.ಗ್ರಾಂ ಡೋಸೇಜ್ ನೀಡುವ ಮೂಲಕ ಸಂಪೂರ್ಣ ಅಟ್ರೋಪಿನೈಸೇಷನ್‌ಅನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಿ. 2. 1-2 ಗ್ರಾಂ, 2 ಪೈರಿಡೈನ್- 2 -ಅಲ್ಡೊಕ್ಸೈಮ್- ಎನ್-ಮಿಥೈಲ್-ಅಯೋಡಿನ್‌ನ್ನು (2 ಪಿಎಎಮ್) 10 ಸಿ.ಸಿ. ಡಿಸ್ಟಿಲ್ಡ್ ನೀರಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸಿ, ಇಂಜೆಕ್ಷನ್ ಮೂಲಕ (ತುಂಬಾ ನಿಧಾನವಾಗಿ) ಅಭಿಧಮನಿಯೊಳಗೆ10-15 ನಿಮಿಷಗಳ ಕಾಲ ನೀಡಿರಿ.

ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಶೇಖರಣೆಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕಾದ ನಿಯಮಗಳು: 1. ಕೀಟನಾಶಕಗಳಿರುವ ಪೊಟ್ಟಣಗಳನ್ನು, ಇತರ ಸಾಮಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಶೇಖರಿಸುವ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಸ್ಥಳಗಳಿಗಿಂತ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾದ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಶೇಖರಿಸಬೇಕು ಅಥವಾ ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಪ್ರಮಾಣ ಹಾಗೂ ಸ್ವರೂಪವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಅವುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕಪಾಟುಗಳಲ್ಲಿಟ್ಟು ಬೀಗ ಹಾಕಿಡಬೇಕು. 2. ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಶೇಖರಿಸುವ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಸ್ಥಳಗಳು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟಿದ್ದು, ಶುಷ್ಕವಾಗಿರಬೇಕು, ಗಾಳಿ-ಬೆಳಕಾಡುವಂತಿರಬೇಕು ಮತ್ತು ಸೂಕ್ತ ಉದ್ದಳತೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕು.

ಬಳಸಿದ ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ಗಳು, ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥ ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ತೊಳೆನೀರಿನ ವಿಸರ್ಜನೆ: 1. ಪ್ಯಾಕೇಜ್ ಅಥವಾ ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥ ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ತೊಳೆನೀರನ್ನು ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯ ಹಾಗೂ ಜಲಮಾಲಿನ್ಯ ಉಂಟಾಗದ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸುವುದು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಉತ್ಪಾದಕರು, ಫಾರ್ಮುಲೇಟರ್ಸ್ ಹಾಗೂ ಸಿಂಪಡಿಸುವವರ ಕರ್ತವ್ಯವಾಗಿದೆ. 2. ಬಳಸಿಯಾದ ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ಗಳ ಮರುಬಳಕೆಯನ್ನು ತಡೆಯಲು ಅವುಗಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಟ್ಟುಬಿಡಬಾರದು. 3. ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ಗಳನ್ನು ತುಂಡರಿಸಿ, ಜನವಸತಿಯಿಂದ ದೂರದಲ್ಲಿ ಹುಗಿಯಬೇಕು.

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : ಈ ಲೇಬಲ್/ವಿವರಣಾ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಲಾದವುಗಳ ಹೊರತಾದ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆ ಬಳಸಬಾರದು. ದಿನದಲ್ಲಿ ಜೇನುನೊಣಗಳು ಮೇವನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ ಕಾಲಾವಧಿಯಲ್ಲಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಡಿ.

അസിഫേറ്റ് 50% + ഇമിഡാക്ലോപ്രിഡ് 1.8 എസ്.പി

കീടനാശിനി

ഇത് പരുത്തിയെ ബാധിക്കുന്ന വിവിധതരം നീരൂറ്റി കുടിക്കുന്ന വിവിധതരം കീടപ്രാണികളെയും പഞ്ഞിപ്പൂച്ചിയെയും. നിയന്ത്രിക്കുവാൻ ഇലകളിന്മേൽ തളിക്കുന്ന, ഒരു കീടനാശിനിയാണ്.

രാസചേരുവ:

ചേരുവ		അടങ്ങുന്നത് (% തൂ/തൂ)
അസിഫേറ്റ് സക്രിയ തത്വം	:	50.00
ഇമിഡാക്ലോപ്രിഡ് സക്രിയ തത്വം	:	01.80
സർഫക്ടന്റ്സ് -(ആൽകൈൽ നഫ്ത്തലിൻ സൾഫോണേറ്റ്)	:	3.00
നിഷ്ക്രിയ പദാർത്ഥങ്ങൾ (പ്രിസിപ്പിറ്റേറ്റഡ് സിലിക്ക)	:	മിച്ചഭാഗം
മൊത്തം	:	100.00

പ്രയോഗ ശുപാർശകൾ:

വിളവ്	കീടത്തിന്റെ പേര്	ഒരു ഹെക്ടാറിന് വേണ്ട മാത്ര			അവസാനത്തെ തളിക്കും വിളവെടുപ്പിനും ഇടയിൽ ദിവസങ്ങൾ
		സ.ത. (ഗ്രാം)	കീട-നാശിനി (ഗ്രാം)	നേർപ്പി-ക്കാൻ വെള്ളം (ലി)	
പരുത്തി	തുള്ളൻ, മുഞ്ഞ, ചെള്ള്, വെള്ളീച്ച, പഞ്ഞിപ്പൂച്ചി	518	1000	500	40

പ്രയോഗ സമയം: കീടങ്ങളെ കണ്ടുതുടങ്ങിയാൽ ഉടനെ ആദ്യത്തെ തളിനടത്തണം. പിന്നീടുള്ള തളികൾ 7-10 ദിവസം ഇടവിട്ട് കീടങ്ങളുടെ ഉപദ്രവം അനുസരിച്ച് നടത്തുക.

പ്രയോഗ വിധം:

a) **തളിക്കാനുള്ള മിശ്രതം തയ്യാറാക്കൽ:** ആവശ്യമുള്ള അളവ് കീടനാശിനി എടുത്ത്, കുറച്ചു വെള്ളം ചേർത്ത് നേർപ്പിച്ച് ഒരു കമ്പ് ഉപയോഗിച്ച് ഇളക്കുക. പിന്നീട് തളിക്കേണ്ട വിസ്തീർണം അനുസരിച്ച് ബാക്കി വെള്ളവും ഒഴിച്ച് നന്നായി ഇളക്കിച്ചേർക്കുക. ഒരു ഹെക്ടാറിന്ന് 500 ലിറ്റർ വെള്ളം ചേർക്കുക.

b) **സസ്യ സംരക്ഷണ ഉപകരണങ്ങൾ:** നാപ്സാക്ക് സ്പ്രെയർ അല്ലെങ്കിൽ ഫുട്ട് സ്പ്രെയർ തുടങ്ങിയ ഹൈ വോള്യം ഹാന്റ് ഓപ്പറേറ്റഡ് സ്പ്രെയറിന്റെ ഉപയോഗം ശുപാർശ ചെയ്തിരിക്കുന്നു. ട്രാക്ടർ മൗണ്ടഡ് സ്പ്രെയറുകളും ഉപയോഗിക്കാം.

സസ്യമാരകശക്തി: ശുപാർശ ചെയ്ത മാത്രയിൽ അസിഫേറ്റ് 50% + ഇമിഡാക്ലോപ്രിഡ് 1.8% എസ്പി വിളവുകൾക്ക് മാരകമല്ല.

മുൻകരുതലുകൾ: വെറും കൈകൾകൊണ്ട് മിശ്രിതം ഇളക്കരുത്. തളിക്കാനുള്ള ലായനി ഇളക്കുവാൻ ഒരു മരക്കമ്പ് ഉപയോഗിക്കുക. പ്രയോഗസമയത്ത് ഒന്നും തിന്നുവാനോ കുടിക്കുവാനോ പുകവലിക്കുവാനോ പാടില്ല. കണ്ണിലും ചർമ്മത്തിലും വീഴാതെ സൂക്ഷിക്കുക. ഒഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നറുകൾ ഉപയോഗശേഷം നശിപ്പിക്കുക.

വിഷബാധ ലക്ഷണങ്ങൾ: തലവേദന, തലക്കറക്കം, മനംപിരട്ടൽ, ഛർദ്ദി, കാഴ്ച മങ്ങൽ, വിയർക്കൽ, അമിതമായ കണ്ണുനീർ പ്രവാഹവും ഉമിനീർ പ്രവാഹവും.

പ്രഥമ ശുശ്രൂഷ: രോഗിയെ ശുദ്ധവായു കിട്ടുന്നിടത്തേക്കു മാറ്റുക. മലിനമായ ചർമ്മഭാഗം ധാരാളം സോപ്പും വെള്ളവും കൊണ്ട് കഴുകുക. കണ്ണിൽ വീണാൽ ധാരാളം വെള്ളമൊഴിച്ച് വൃത്തിയാക്കുക. അകത്തു പെട്ടാൽ രോഗിയുടെ തൊണ്ടയിൽ വിരലിട്ട് ഛർദ്ദിക്കാൻ പ്രേരിപ്പിക്കുക. അടിയന്തിരമാണെങ്കിൽ രോഗിയെ അടുത്തുള്ള ആശുപത്രിയിലേക്കു കൊണ്ടുപോകുക.

പ്രതിവിഷം: 1) ഉടനെത്തന്നെ രോഗിയെ അട്രോപിനൈസ് ചെയ്യുക. പൂർണമായും അട്രോപിനൈസ് ആകുന്നതുവരേക്കും 5-10 മിനിറ്റ് ഇടവിട്ട് 2-4 മി.ഗ്രാം ഡോസുകൾ ആവർത്തിച്ചുകൊടുത്ത് പൂർണമായ അട്രോപിനൈസേഷൻ നിലനിർത്തുക. 2) 10 സിസി ഡിസ്റ്റിൽഡ് ജലത്തിൽ 2-പിറിഡിൻ-2-അൽഡോക്സൈം-എൻ-മിഥൈൽ-അയോഡിൻ (2 പാം) ന്റെ 1-2 ഗ്രാം അലിയിച്ച് ഇൻട്രാവിനസ് ആയി (വളരെ സാവകാശം) 10-15 മിനിറ്റ് എടുത്ത് പ്രയോഗിക്കുക.

കീടനാശിനികളുടെ സംഭരണത്തിന്നായി നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട വ്യവസ്ഥകൾ: 1) കീടനാശിനികൾ അടങ്ങുന്ന പേക്കേജുകൾ പ്രത്യേക മുറികളിലോ പരിസരങ്ങളിലോ, മറ്റു വസ്തുക്കൾ സംഭരിച്ചിട്ടുള്ള മുറികളിൽ നിന്നും പരിസരങ്ങളിൽനിന്നും ദൂരെ മാറി കീടനാശിനികളുടെ അളവും രൂക്ഷതയും അനുസരിച്ച് പ്രത്യേകം അലമാരകളിൽ പൂട്ടി സുരക്ഷിതമായോ സൂക്ഷിക്കേണ്ടതാണ്. 2) കീടനാശിനികൾ സംഭരിക്കുവാൻ തെരഞ്ഞെടുക്കുന്ന മുറികളും പരിസരങ്ങളും ബലിഷ്ഠവും, ഈർപ്പം ഇല്ലാത്തതും, വെളിച്ചം ഏൽക്കുന്നതും നല്ല വിസ്താരമുള്ളതും ആയിരിക്കണം.

ഒഴിഞ്ഞ പേക്കേജുകൾ, അധികമായ മിശ്രിതങ്ങൾ, കീടനാശിനികൾ കഴുകിയ വെള്ളം എന്നിവ നശിപ്പിക്കൽ: 1) ഒഴിഞ്ഞ പേക്കേജുകൾ, അധികമായ ലായിനികൾ, കഴുകിയ വെള്ളം എന്നിവ സുരക്ഷിതമായും വായുവിനും വെള്ളത്തിനും മലിനീകരണം സംഭവിക്കാത്ത വിധത്തിലും നശിപ്പിക്കേണ്ടത് നിർമ്മാതാക്കൾ, ഉപയോഗിക്കുന്നവർ, ഓപ്പറേറ്റർമാർ എന്നിവരുടെ കടമയാണ്. 2) ഒഴിഞ്ഞ പേക്കേജുകൾ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കാതിരിക്കാൻ പുറത്തേക്കു കളയരുത്. 3) പേക്കേജുകൾ കീറിപ്പൊളിച്ച് ആൾപ്പെരുമാറ്റമില്ലാത്ത സ്ഥലത്ത് കുഴിച്ചു മൂടുക.

ജാഗ്രത: ഈ ലേബലിൽ/ലഘുലേഖയിൽ നിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ള വിളകൾക്കല്ലാതെ ഇത് ഉപയോഗിക്കരുത്. തേനീച്ചകൾ ദിവസം തീറ്റ സംഭരിക്കുന്ന സമയത്ത് സ്പ്രേ ചെയ്യരുത്

அசிஃபேட் 50% + இமிடாக்ளோப்ரிட் 1.8 எஸ்.பி

பூச்சிக்கொல்லி

பருத்தியில் பலவிதமான சாறு உறிஞ்சும் மற்றும் முக்கிய பூச்சிகளை கட்டுப்படுத்த இந்த பூச்சிக்கொல்லி பரிந்துரைக்கப்படுகிறது.

இராசயன சேர்மானம் :

ஆக்கப் பொருள்		அடக்கம் (% எ/எ)
அசிஃபேட் செயல்புரியும் ஆக்கப் பொருள்	:	50.00
இமிடாக்ளோப்ரிட் செயல்புரியும் ஆக்கப் பொருள்	:	01.80
சர்ஃபேக்டன்ட்கள்- (ஆல்கில் நாஃப்தலீன் சல்ஃபோனேட்)	:	3.00
இனர்ட்ஸ் - (ப்ரெசிபிடேட்டட் சிலிகா)	:	தேவைக்கேற்ப
மொத்தம்		100.00

பயன்படுத்துவதற்கான பரிந்துரைப்பு :

பயிர்	பூச்சியின் பெயர்	ஒரு ஹெக்டேருக்கான அளவு			கடைசியாக தெளித்த பிறகு அறுவடை வரை காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்)
		ஏ.ஐ. (ஜி)	ஃபார்மு லேஷன் (ஜி)	கரைக்க நீர் அளவு (லி)	
பருத்தி	அசுவிணி, தத்துப் பூச்சிகள், இலைப் பேன்கள், வெள்ளை ஈ, காய்ப்புழுக்கள்	518	1000	500	40

உபயோகிக்க வேண்டிய நேரம்:

பூச்சிகள் வருவது தெரிந்த உடன் முதல் முறையாக தெளிக்க வேண்டும். பூச்சிகள் மீண்டும் வருவதைப் பொறுத்து, 7-10 நாட்கள் இடைவேளைகளில் மீண்டும் தெளிக்க வேண்டும்.

உபயோகிக்கும் வழிமுறை :

அ) **தெளிப்பு கலவையை தயார் செய்யும் முறை**

தயாரிப்பின் தேவையான அளவை எடுத்துக் கொள்ளவும். சிறிதளவு தண்ணீருடன் கலந்து ஒரு குச்சியால் நன்கு கலக்கவும். பிறகு, தெளிக்க வேண்டிய அளவின் தேவைப்படி மீதியுள்ள அளவு தண்ணீரை சேர்க்கவும். மீண்டும் நன்றாகக் கலக்கவும். ஒரு ஹெக்டேருக்கு 500 லிட்டர் தண்ணீர் பயன்படுத்தவும்.

ஆ) **பயிர் பாதுகாப்புக் கருவிகள்**

நாப்சாக் தெளிப்பான் போன்ற அதிக அளவு தெளிக்கும் கைத் தெளிப்பான் அல்லது கால் தெளிப்பான் பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. டிராக்டரில் பொருத்தப்பட்டுள்ள தெளிப்பானையும் பயன்படுத்தலாம்.

பயிர்களுக்கு விஷ பாதிப்பு : பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவில் அசிஃபேட் 50% + இமிடாக்ளோப்ரிட் 1.8% எஸ்பி பயிர்களுக்கு விஷமுண்டாக்கும் தன்மை உள்ளது அல்ல.

முன்னெச்சரிக்கைகள் : வெறும் கையால் கலக்காதீர்கள். தெளிக்க வேண்டிய கரைசலைக் கலக்க ஒரு மரக் கம்பை பயன்படுத்தவும். உபயோகிக்கும் போது, சாப்பிடாதீர்கள், குடிக்காதீர்கள் அல்லது புகை பிடிக்காதீர்கள். கண்கள் மற்றும் சருமத்தில் படுவதைத் தவிர்க்கவும். பயன்படுத்திய பிறகு காலி கொள்கலன்களை அழித்துவிடவும்.

விஷம் தாக்கிய அறிகுறிகள் : தலைவலி, தலை சுற்றல், குமட்டல், வாந்தி, மங்கியப் பார்வை, வியர்த்தல், மிதமிஞ்சிய அளவு கண்ணீர் வடிதல் மற்றும் எச்சில் ஒழுகுதல்.

முதலுதவி : நோயாளியை சுத்தமான காற்றோட்டமுள்ள இடத்திற்கு எடுத்துச் செல்லவும். பாதிக்கப்பட்ட சருமத்தை அதிக அளவு சோப்பு மற்றும் தண்ணீரால் கழுவவும். கண்கள் பாதிக்கப்பட்டிருந்தால், அதிக அளவு தண்ணீரால் கழுவவும். உட்கொண்டிருந்தால், பாதிக்கப்பட்டவரின் தொண்டையின் கீழ்ப்புறத்தை விரலால் தூண்டி வாந்தி எடுக்கச் செய்யவும். அவசர நிலை என்றால் நோயாளியை அருகிலுள்ள ஆஸ்பத்திரிக்கு அழைத்துச் செல்லவும்.

விஷமுறிவு : 1. உடனடியாக நோயாளிக்கு அட்ரோப்பைன் கொடுக்கவும். 5-10 நிமிட இடைவேளையில், முழுமையாக அட்ரோப்பைன் ஆகும் வரை, மீண்டும் மீண்டும் 2-4 மிகி அட்ரோப்பைன் கொடுக்கவும். 2. 10 சிசி டிஸ்டில்ட் வாட்டரில் 1-2-கிராம் 2-பைரிடின்-2 அல்டோக்ஸிம்-என்-மெதைல்-அயோடின் (2 PAM) கலந்து தசை வழியாக (மிக மெதுவாக) 10-15 நிமிடங்கள் செலுத்தவும்.

பூச்சிக் கொல்லிகளை சேமித்து வைக்க குறிப்பிட வேண்டிய நிலைமைகள்: 1. பூச்சிக் கொல்லிகள் உள்ள பேக்கேஜ்களை, இதரப் பொருட்களை வைக்கும் அறை அல்லது இடங்களிலிருந்து அப்பால், ஒரு தனிப்பட்ட அறை அல்லது இடத்தில் அல்லது பூச்சிக் கொல்லிகளின் அளவு மற்றும் தன்மையைப் பொறுத்து ஒரு தனிப்பட்ட அலமாரியில் பூட்டி வைக்கப்பட வேண்டும். 2. பத்திரமாக வைப்பதற்காகவே உள்ள அறைகள் அல்லது இடங்கள் சிறந்த முறையில் கட்டப்பட்டதாக, உலர்வாக, நல்ல வெளிச்சம் மற்றும் காற்றோட்டம் உள்ளதாக மற்றும் போதிய பரப்புடன் இருக்க வேண்டும்.

பயன்படுத்தப்பட்ட பேக்கேஜ்கள், எஞ்சிய பொருட்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லி கழிவுகளை அப்புறப்படுத்துதல் : 1. சுற்று சூழ்நிலை மற்றும் தண்ணீர் மாசு ஆவதைத் தவிர்க்கும் வகையில், பேக்கேஜ்களை அல்லது அதிக பொருட்களை மற்றும் கழிவுகளை அப்புறப்படுத்த வேண்டியது தயாரிப்பாளர்கள், பூச்சிக்கொல்லிகளின் ஃபார்முலேட்டர்கள் மற்றும் ஆப்பரேட்டர்களின் பொறுப்பு ஆகும். 2. மீண்டும் பயன்படுத்துவதை தவிர்க்க, பயன்படுத்தப்பட்ட பேக்கேஜ்களை வெளியே விட்டு வைக்கக் கூடாது. 3. பேக்கேஜ்களை உடைத்து, வசிப்பிடங்களுக்கு அப்பால் புதைக்கப்பட வேண்டும்.

எச்சரிக்கை : இந்த லேபில் மற்றும் துண்டுபிரசுரத்தில் குறிப்பிடப்பட்ட பயிர்களைத் தவிர மற்ற பயிர்களில் பயன்படுத்தக்கூடாது. நாளில் தேனீக்கள் தீவிரமாக இருக்கும்போது தெளிக்காதீர்கள்.

అసిఫేట్ 50% + ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 1.8 ఎస్.పి

కీటకనాశని

ఇది ఒక అంతర్వాహిక కీటకనాశని, దీనిని ప్రత్తి పంటను ఆశించే వివిధ రకాల రసంపీల్చు పురుగులను మరియు కాయతొలుచు పురుగులను అరికట్టుటకు వాడవచ్చును.

రసాయనిక సమ్మిశ్రణం :

అంశం		సారం (% భా/భా)
అసిఫేట్ సక్రియాంశం	:	50.00
ఇమిడాక్లోప్రిడ్ సక్రియాంశం	:	01.80
సర్ఫెక్టెంట్స్ (ఆల్కైల్ నాఫ్థలీన్ సల్ఫోనేట్)	:	3.00
జడపదార్థాలు (అవక్షేపనం చేసిన సిలికా)	:	క్యు.ఎస్.
మొత్తం		100.00

వాడేందుకు సలహాలు :

పంట	కీటకాల పేర్లు	హెక్టేరుకి మోతాదు			ఆకరిసారి చల్లినప్పటి నుండి కోతవరకు వేచివుండే సమయం (రోజులు)
		ఏ.ఐ. (గ్రా.)	ఫార్ము లేషన్ (గ్రా.)	సిఫారసు చేసిన నీటి మోతాదు (లీ)	
ప్రత్తి	పేనుబంక, పచ్చదోమ, దీపపు పురుగులు, తెల్లదోమ, కాయ తొలుచు పురుగులు	518	1000	500	40

వాడాల్సిన సమయం :

కీటకాలు కనబడిన వెంటనే మొదటిసారి చల్లాలి, కీటకాల ఉధృతాన్ని బట్టి, 7-10 రోజుల విరామాల్లో తర్వాత చల్లవచ్చును.

వాడే విధానం :

అ) **చల్లాల్సిన మిశ్రణాన్ని తయారు చేయడం :**

కావలసినంత మందును తీసుకుని, కొద్ది నీటితో సజలం చేసి, ఒక కర్రతో బాగా కలపండి. తర్వాత, చల్లాల్సిన మందు మొత్తాన్ని బట్టి మిగతా నీటిని కూడా కలిపి, బాగా తిప్పుతూ కలియబెట్టండి. ఒక హెక్టేరుకి 500 లీటర్ల నీటిని వాడండి.

ఆ) **సస్య రక్షణ పరికరాలు :**

నాప్‌శాక్ స్ప్రేయర్ లేక ఫుట్ స్ప్రేయర్ వంటి అధిక వాల్యూమ్ గల చేతితో ఆపరేట్‌చేసే స్ప్రేయర్లను వాడుటకు సిఫారసు చేయడమైనది. ట్రాక్టర్ మౌంటెడ్ స్ప్రేయరను కూడా వాడవచ్చును.

వృక్ష విషతుల్యత (ఫైటో టాక్సిసిటీ) : సిఫార్సు చేసిన మోతాదుల్లో వాడితే, అసిఫేట్ 50% + ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 1.8% ఎస్.పి., మొక్కలకు విషతుల్యం కావు.

జాగ్రత్తలు : ఒట్టి చేతులతో కలపకండి. చల్లుడు మిశ్రణాన్ని కలిపేందుకు ఒక కర్రముక్కని వాడండి. మందు చల్లేటప్పుడు తినడం, తాగడం లేదా పొగతాగడం చేయకండి. కళ్ళకు, చర్మానికి తగలనీయకండి. ఖాళీ డబ్బాలను నాశనం చేయండి.

విషలక్షణాలు : తలనెప్పి, తలతిరగడం, వికారం, వాంతులు, మసకగా కనిపించడం, చెమటలు పట్టడం, ఎక్కువగా కన్నీరు కారడం, చొంగకారడం.

ప్రథమ చికిత్స: రోగిని గాలి ఉన్నచోటికి తరలించండి. కలుషితమైన చర్మాన్ని బాగా సబ్బుతోనూ, నీటితోనూ కడగండి. కళ్ళలో కనపడితే, బాగా నీటితో కళ్ళను కడగండి. ఒకవేళ మింగి వుంటే, గొంతునెనక భాగాన్ని వేళ్ళతో తాకుతూ, వాంతి తెప్పించండి. అత్యవసరపరిస్థితుల్లో, రోగిని దగ్గర్లోవున్న ఆస్పత్రికి తీసుకెళ్ళండి.

విరుగుడు: 1. రోగిని వెంటనే అట్రోపినైజ్‌చెయ్యండి. రోగిపూర్తిగా అట్రోపినైజ్ అయ్యేవరకూ, 5-10 నిమిషాల వ్యవధిలో 2-4 మి.గ్రాల మోతాదుల్లో పూర్తి అట్రోపినైజేషన్ని చేస్తూవుండండి. 2. 1-2 గ్రాముల 2-పైరిడిన్-2-అల్‌డాక్సైమ్-మిథైల్-అయోడిన్ (2పి.ఎమ్.)ను 10 సి.సి. డిస్టిల్డ్ నీటిలో కరిగించి నరాల ద్వారా (చాలా నెమ్మదిగా) 10-15 నిమిషాల సమయం తీసుకుంటూ ఎక్కించాలి.

కీటకనాశనులు నిల్వ వుంచేందుకు నిర్దేశించవలసిన నియమాలు: 1. కీటకనాశనులు ఉన్న ప్యాకేజీలని, ఇతర వస్తువులు నిలవచేసేందుకై వున్న గదులు, ప్రదేశాలకు దూరంగా వేరే గదుల్లో లేదా ప్రదేశాల్లో నిలవచేయాలి. లేదా ఈ కీటకనాశనుల మొత్తం, రకాన్నిబట్టి వీటిని వేర్వేరు బీరువాల్లో పెట్టి తాళం వెయ్యాలి. 2. కీటకనాశనులను నిలవచేసే గదులు, ప్రదేశాలు దృఢంగానూ, పొడిగానూ, బాగా వెలుతురుతోనూ, తగినంత పెద్దనిగానూ వుండాలి.

వాడిన ప్యాకేజీలని, మిగిలిన, కడుగు కీటకనాశనులని విసర్జించడం: 1. మిగిలిన మందుపదార్థాలు ఉన్న ప్యాకేజీలను, కడుగు మందుని ఒక సురక్షితమైన విధానంలో, పర్యావరణపు, నీటి కాలుష్యం కలగకుండా, విసర్జించవలసిన బాధ్యత ఉత్పాదకులు, కీటకనాశనులను తయారుచేసేవారు, మరియు వాడేవారిపైన వుంది. 2. వాడిన ప్యాకేజీలని తిరిగి వాడడాన్ని అరికట్టేందుకై, వాటిని బయట అలా వదిలిపెట్టకూడదు. 3. ప్యాకేజీలను పగలగొట్టి, జనసమ్మర్దానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

జాగ్రత్తలు: ఈ కరపత్రం/లేబుల్‌పై ఇవ్వబడిన పంటలకు తప్ప ఇతర పంటలకు ఉపయోగించరాదు. రోజులో తేనెటీగలు ఎక్కువగా సంచరించే సమయంలో పిచికారి చేయవద్దు.